Dainik Bhaskar (Indore), 25th November 2026, Page – 05

चार दिन का प्रशिक्षण • सड़क-पुल की गुणवत्ता व मजबूती पर जोर

PWD के 180 इंजीनियरों को आईआईटी स्टूडेंट बताएंगे आधुनिक निर्माण तकनीक

विशेष संवाददाता | भोपाल

मप्र लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) अपने 180 इंजीनियरों को आधुनिक सड़क और भवन निर्माण की तकनीकों का प्रशिक्षण दिलाएगा। इसके लिए आईआईटी इंदौर की फैकल्टी व पीएचडी रिसर्च स्कॉलर स्टूडेंट्स की मदद ली जाएगी।

चार दिवसीय प्रशिक्षण 13 से 16 जनवरी तक आयोजित होगा। इसमें विभाग के कुछ चीफ इंजीनियर भी शामिल हो सकते हैं, हालांकि उनके नाम अभी तय नहीं हुए हैं। प्रशिक्षण दो बैच में होगा। पहले बैच में 60 और दूसरे में 120 इंजीनियर शामिल होंगे। इन्हें मटेरियल साइंस, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच और सिविल इंजीनियरिंग की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य सड़क और पुल निर्माण में होने वाली तकनीकी खामियों को रोकना, निर्माण की गुणवत्ता सुधारना और उनकी मजबूती व उम्र बढ़ाना है।

इंजीनियरों को दो तरह का प्रशिक्षण मिलेगा

मटेरियल साइंस

पीएचडी शोधार्थी व प्रोफेसर इंजीनियरों को डामर की केमिस्ट्री, पॉलीमर मॉडिफाइड बिटुमिन, मिलावट की वैज्ञानिक पहचान व हाई-परफॉर्मेंस कंक्रीट तैयार करना सिखाएंगे। काली मिट्टी वाले क्षेत्रों में सड़क धंसने से रोकने के लिए जियो-सिंथेटिक सामग्री का व्यावहारिक उपयोग भी बताएंगे।

स्मार्ट तकनीक

आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग सत्र में जीपीआर, एनडीटी उपकरणों से सड़क की अंदरूनी परतों की मजबूती जांचना सिखाया जाएगा। जीपीएस व लेजर सेंसर से सटीक समतलीकरण व सड़क-पुल के समय से पहले खराब होने की वैज्ञानिक फॉरेंसिक जांच की तकनीक भी बताई जाएगी।